

১৯৯ | র্মান্ত্র্বাবান্ট্রবাজন বার্লারার র্মিনার্ল্রবার্লারার র্মিনার্ল্রবার্লারার র্মিনার্ল্রবার্লারার র্মিনার্ল্রবার্লারার র্মিনার্ল্রবার্লারার মিনার্লির | LRZTP 9 Module 2 — Lesson 14 Dialogue

ब्रेट केंग

न्चेत्र हे.च.क्र्यं क्र.जवाबा ट.ब्री.ज्र्या.पक्ष्य.पेर्यूबा.ग्री.ज्र्या चित्र.क्ट.ब्रिट.पट.क्क्ष्य.पी.ज्र्यंट.प्रट. राषा

तक्र्यान्त्रीयो अन्यम्।

पक्रियान्त्रीयो अन्यन्त्रीयान्तियान्त्रीयान्तियात्यान्तियायान्तियायान्तियायान्तियायान्तियायान्ति

तक्ष्यान्त्राचा मिन्यतासुर्यासुर्यान्त्राची यहासुर्यान्या

न्चेत्र हे सुः स् । होन् रस्य वीका स्वारं वा वी । धवा वा वि रसेन्।

त्रक्रान्त्रंन् प्रमुख्यान्यायायाय्त्रत्न्। याप्त्येवाचेरावास्यव्यास्यास्य विष्ट्रात्यान्याय्यायाय्यायाय्यायाय विष्ठा

<u>र्चेत्र'हे'सु'र्के।</u> यग्राय'रेट्। ह्या'ह्या'रेट्।

त्रकें अन्तर्भा न दिन्ने र्राया स्वाप्त विष्या में स्वाप्त विष्या से स्वीया

<u>८च्चित्र है स्तुः क्ष्रां क्षुः पः क्ष्रः भ्रुः धीत्र र्स्टः देवा तह्वा है स्क्ष्रः वावि हमार संग्ये वावि तावर संग्ये प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त </u>

<u>र्नुचेत्र हे नुःक्षं र क्रं त्यम्बा र मुक्र क महिमा हें र में बर्गे प्रें प्रमुक्त क प्यमार्थ रे र तर्बा मान</u>

त्रकेंअ'चर्झ'च। र्ह्र'ङ्गेंचस'कुय'ग्री'र्क्षट्रायट्र'त्याखेचस'त्र'कुत्र'क'र्क्च'स्या'यी'स्या'ग्री'र्येट्। स'त्रे'श्रिट्र'यट्र'त्य'केंयास'यिचस'

र्म्चेत्रःहे.मुःक्षं ८.ज.ट्रे.पट्याट्यूबाग्रीःग्रेन्। ८.ज.वाली.ट्ट.म्चै.युप्तःभ्रे.मुव्यःक्ष्याट्यूबाग्रीःजूटी ८.टावूट.वी.

तळेंअ नर्जे न नु सं हिन् रस् धु न सर्वेष में रे न्वेष हैं। ये प्र

र्ट्डिय हि.टी.क्र्री ज्.वीबार क्री.क्र्य ज.क्र. व. प्ट्रीवी.वी.पर्येव

त्त्री या प्याप्त विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र क